क्या शराब बनाने वाली फसलों की खेती करना सही है?

प्रश्न:

उदाहरण के लिए, हम जानते हैं कि कुछ शराबी पेय ज्वार (Sorghum) से बनाए जाते हैं। तो क्या यह सही है कि एक सच्चा ईसाई ज्वार उगाए, उसे बेचे और उस पैसे का उपयोग भेंट देने के लिए करे?

उत्तर:

परमेश्वर द्वारा बनाई गई किसी भी फसल में स्वभाविक रूप से कोई बुराई नहीं है। फसल केवल तब गलत माना जाती है जब उसे गलत उद्देश्य के लिए उपयोग किया जाए।

उदाहरण के लिए, ज्वार मूल रूप से एक खाद्य फसल है: कुछ लोग इसे दलिया बनाने के लिए उपयोग करते हैं, लेकिन कुछ लोग इसे शराब बनाने के लिए प्रयोग करते हैं। इसलिए जो व्यक्ति इसे जानबूझकर शराब बनाने के लिए उगाता है या इसके दुरुपयोग का समर्थन करता है, वह परमेश्वर के सामने दोषी है।

हालाँकि, यदि फसल को उसके प्राकृतिक और निर्धारित उद्देश्य के लिए उगाया जाए, तो यह किसी भी तरह से पाप नहीं है। कई ऐसे समान उदाहरण हैं:

गन्ना – चीनी बनाने के लिए बनाया गया, लेकिन कुछ लोग इसे शराब बनाने के लिए

क्या शराब बनाने वाली फसलों की खेती करना सही है?

उपयोग करते हैं।
नारियल के पेड़ – नारियल और तेल के उत्पादन के लिए बनाए गए, लेकिन कुछ लोग इसका रस (सैप) पाम वाइन बनाने के लिए इस्तेमाल करते हैं।
फिंगर मिलेट और केले – खाने के लिए अच्छे, लेकिन कुछ लोग इन्हें शराब बनाने के लिए भी इस्तेमाल करते हैं।

परमेश्वर ने अच्छे के लिए बनाई गई चीज़ों को बिगाड़ने वालों के लिए स्पष्ट चेतावनी दी है:

यशायाह 5:20:

“अल्लाह के वचन में, ‘अरे उन पर जो बुराई को अच्छा और अच्छाई
को बुरा कहते हैं, अंधकार को उजाला और उजाले को अंधकार कहते हैं, कड़वाहट को मीठा और मिठास को कड़वा कहते हैं।’”

क्या आप समझ रहे हैं?

बाइबल उन लोगों को स्पष्ट रूप से चेतावनी देती है जो परमेश्वर द्वारा शुद्ध और अच्छे उद्देश्यों के लिए बनाई गई चीज़ों को मोड़ देते हैं। शराब बनाने के लिए ज्वार उगाना समाज में मिठास के बजाय कड़वाहट फैलाना है।

क्या शराब बनाने वाली फसलों की खेती करना सही है?

इसी तरह, मिलेट या केले को शराब बनाने वाली फर्मों को बेचने के उद्देश्य से उगाना भी उसी तरह है – अच्छाई के बजाय कड़वाहट फैलाना।

यह सिद्धांत सभी प्रकार के विरूपण पर लागू होता है, जब लोग परमेश्वर द्वारा प्राकृतिक और धार्मिक उपयोग के लिए बनाई गई चीज़ों को बिगाड़ देते हैं।

उदाहरण के लिए, जब पुरुष पुरुष की ओर और महिलाएँ महिलाओं की ओर आकर्षित होती हैं, यह भी उसी तरह है जैसे उजाले को अंधकार में बदल देना।

और प्रभु ने पहले ही कहा है:

“अरे उन पर जो ऐसे काम करते हैं।”

आशीर्वाद प्राप्त करें।

JIUNGE NA GROUP LETU LA WHATSAPP HAPA >> WHATSAPP GROUP….

Share on:
WhatsApp